पितृ छाया एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड सरकार ने मंदिरों के दर्शन के लिये मुंबई से उत्तराखंड तक एक विशेष ट्रेन चलाने की योजना की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- **पितृ छाया एक्सप्रेस:** यह ट्रेन पूर्वजों के सम्मान के लिये समर्पित है, जो **हरिद्वार में तर्पण, ऋषिकेश, पंच प्रयाग और बद्रीनाथ में ब्रह्म कपाल** जैसे महत्त्वपूर्ण तीर्थ स्थलों को कवर करती है।
- यह श्राद्ध (पितृ पक्ष) अवधि के दौरान पूर्वजों को "तर्पण" करने की हिंदू परंपरा से मेल खाता है।

नोट: मानसखंड एक्सप्रेस एक और ट्रेन है जो जून 2024 में शुरू हुई है, जो उत्तराखंड के लोकप्रिय स्थलों को कवर करती है, जिसमें ट्रेन यात्रा, भोजन, राज्य के भीतर सड़क यात्रा, दर्शनीय स्थल एवं होटल या होमस्टे में आवास शामिल हैं।

- **कवर किये गए गंतव्य:** पुनागिरी मंदिर, नानकमत्ता गुरुद्वारा, चंपावत में चाय बागान, हाट कालिका मंदिर, पाताल भुवनेश्वर मंदिर, जागेश्वर मंदिर, गोलू देवता मंदिर, कैंची धाम, कसार देवी मंदिर, सूर्य मंदिर कटारमल और नैना देवी मंदिर।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pitr-chaya-express